

SHRI MUHAMMED. K.K.

Shri Muhammed. K.K., retired Regional Director(North) from the Archaeological Survey of India, is a well-known Archaeologist who participated in the explorations and excavations both inside and outside in the country.

2. Born on July 1, 1952, Shri Muhammed received his Graduate and Post Graduate degrees from Aligarh Muslim University and Post Graduate Diploma in Archaeology from the Archaeological Survey of India. During his distinguished career, he discovered Ibadat Khana (Hall of Inter religious Discussions) where Akbar, the Great declared the composite religion known as Din-I-Ilahi and a Christian for the Christian Fathers had come to participate in the discussions. In 1998-2000, he also discovered and excavated a Buddist stupa at Rajgir in Bihar and Kesariya Stupa where Lord Buddha had handed over his begging bowl to his followers of Vaishali.

3. Shri Muhammed has been known for his challenging conservation in 2003-04. He conserved Barsoor and Samlur Temple in Dandewada with the help of Naxal groups in Bateswer at Chambal valley and also conserved more than eighty temples in 2004-2008 by securing the help of Chambal dacoits.

4. In Delhi, during the Common Wealth Games (2010), he completed all conservation works well in time with meticulous care and precision. The five schools which he was running for the migrant laborers in Delhi during the Common Wealth Games, 2010, attracted the attention of the then American President Mr. Barack Obama and Mrs. Michel Obama who brought special gifts for the children. He conceived and executed Replica Museum in Delhi by installing thirty-five replicas of Master Pieces of Indian Art from various States of the country.

5. Shri Muhammed has received various awards and hounours including three International Awards, five National Awards, One state Award and three Public Awards.

पद्म श्री



श्री मुहम्मद. के.के.



भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से सेवानिवृत्त क्षेत्रीय निदेशक (उत्तर) श्री मुहम्मद. के. के. एक जाने-माने पुरातत्वविद हैं। आपने देश और विदेशों दोनों में अन्वेषणों और उत्खनन में भाग लिया।

2. आपका जन्म 1 जुलाई, 1952 में हुआ था। आपने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त की और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से पुरातत्व में स्नातकोत्तर डिप्लोमा किया। अपने उत्कृष्ट करियर के दौरान, आपने इबादत खाना की खोज की, जहां अकबर महान ने दीन-ए-इलाही नाम के सामासिक धर्म की घोषणा की थी और इसाई पादरियों की ओर से एक इसाई ने भी इबादतखाने की चर्चा में भाग लिया। वर्ष 1998-2000 में उत्खनन में आपने राजगीर, बिहार में बौद्ध स्तूप और केसरिया स्तूप, जहां भगवान बुद्ध ने अपने भिक्षा पात्र को वैशाली के अपने अनुयायियों को सौंपा था, की भी खोज की।

3. आप वर्ष 2003-04 में किये गए अपने चुनौतीपूर्ण संरक्षण कार्य के लिए जाने जाते हैं। आपने नक्सल समूहों की मदद से दांडेवाडा में बारसूर और समलूर मंदिर और चंबल घाटी के बटेस्वर को संरक्षित किया, और चंबल के डकैतों की मदद से वर्ष 2004-2008 में अस्सी से भी अधिक मंदिरों को भी संरक्षित किया।

4. दिल्ली में, राष्ट्रमंडल खेलों (2010) के दौरान आपने सभी संरक्षण कार्यों को पूरी सजगता और सटीकता के साथ समय पर पूरा किया। दिल्ली में प्रवासी मजदूरों के लिए आपके द्वारा चलाए जा रहे पांच स्कूलों ने, राष्ट्र मंडल खेल, 2010 के दौरान, तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति श्री बराक ओबामा और मिशेल ओबामा जो बच्चों के लिए विशेष उपहार लाए थे का ध्यान आकर्षित किया। आपने देश के विभिन्न राज्यों से भारतीय कला की श्रेष्ठ कृतियों की 35 प्रतिकृतियों को स्थापित करके दिल्ली में प्रतिकृति संग्रहालय की परिकल्पना करके इसे मूर्त रूप प्रदान किया।

5. आपको तीन अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार, पांच राष्ट्रीय पुरस्कार, एक राज्य पुरस्कार और तीन सार्वजनिक पुरस्कारों सहित अनेक पुरस्कार और सम्मान प्रदान किए गए हैं।